अपना शहर
अमर उजाला
नोएडा

# लोकेशन एक, पर मेट्रो स्टेशन दो

## पुराने स्टेशन के बराबर में होगी नए कॉरिडोर की बिल्डिंग

सीमा शर्मा

**नोएडा।** कालिंदी कुंज को नोएडा से जोड़ने वाली नई मेट्रो योजना में बॉटेनिकल गार्डन में नया मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के तहत नया मेट्रो स्टेशन स्टेंडर्ड गेज का होगा, जबकि पुराना बॉटेनिकल गार्डन इंडियन लेवल के ब्राड गेज के तहत बना है। नया स्टेशन पुराने स्टेशन के दक्षिण दिशा की ओर होगा। दोनों स्टेशनों की बिल्डिंग अलग होगी। या कहें कि अलग पैरलल बिल्डिंग को एक कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा।

### पिज्जा, काफी और करेंसी एक्सचेंज सुविधा भी

बॉटेनिकल गार्डन में अन्य मेट्रो स्टेशन की बजाय अधिक सुविधाएं यात्रियों को मिलेंगी। पुराने स्टेशन में अभी पिज्जा हाउस, बरिस्ता कॉफी शाप, इजीइट शापिंग के अलावा विदेशी करेंसी को इंडियन करेंसी में तब्दील करने वाली मनीग्राम की सुविधा भी उपलब्ध है। हालांकि पुराने स्टेशन के ग्राउंड फ्लोर में अभी कई बड़ी शॉप के लिए जगह उपलब्ध है और कई का काम चल रहा है। सूत्रों के अनुसार नए स्टेशन में कई अन्य सुविधाओं को भी जोड़ा जाएगा, इनमें एटीएम, कई बड़े नाम के रेस्तरां के अलावा कई अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी।

### पार्किंग के लिए भी है काफी जगह

नोएडा के लोगों को दिल्ली जाने के लिए मेट्रो एकमात्र बेहतर विकल्प लगता था, लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत उन्हें वाहन पार्किंग की आती है। नोएडा में तीन स्टेशनों की पार्किंग अक्सर 11 बजे तक फुल हो जाती है, लेकिन नए स्टेशन के साथ पार्किंग की कुछ ओर जगह भी यात्रियों को मिलेगी।

### अभी कहां-कहां चल रहा है स्टेंडर्ड गेज ट्रैक

**दिल्ली** मेट्रो रेल सेवा के तीन चरणों में से पहला तो इंडियन ट्रैक पर आधारित ब्रॉड गेज का है, लेकिन द्वितीय चरण के तहत कुछ लाइन स्टेंडर्ड गेज के तहत तैयार किए गए हैं। इनमें 18.46 किलोमीटर लंबी इंद्रलोक से कीर्ति नगर होते हुए मुंडका की लाइन, एयरपोर्ट एक्सप्रेस की 22.70 किलोमीटर व केंद्रीय सचिवालय से बदरपुर की 20 किलोमीटर की लंबी लाइन है। इन तीनों ट्रैक पर स्टेंडर्ड गेज के तहत मेट्रो चल रही है।

### नए स्टेशन की डिजाइन पर चल रहा है काम

**मेट्रो** के तीसरे फेस में कालिंदी कुंज से बॉटेनिकल गार्डन को जोड़ने वाला कॉरिडोर इंटरनेशनल मेट्रो मानकों के तहत स्टेंडर्ड गेज को होगा। स्टेंडर्ड गेज कॉरिडोर बनाने के चलते ही बॉटेनिकल गार्डन पर एक नया मेट्रो स्टेशन बनाने की आवश्यकता पड़ रही है। नए स्टेशन की बिल्डिंग अलग होगी, जिसकी डिजाइन तैयार करने का काम चल रहा है। *-संध्या, प्रवक्ता, दिल्ली मेट्रो रेल सेवा, नई दिल्ली।*

मेट्रो के थर्ड फेज में नोएडा को मिलेगा बॉटेनिकल गार्डन से कालिंदी कुंज तक के लिए 4 किमी लंबा नया ट्रैक

बॉटेनिकल गार्डन के पीछे होगा स्टैंडर्ड गेज वाले इस ट्रैक का मेट्रो स्टेशन। इसके बनते ही एनसीआर के और करीब हो जाएगा नोएडा

मेट्रो का यह रूट कालिंदी कुंज, कालका जी मंदिर और हौजखास तीनों एक्सचेंज पॉइंट को कवर करेगा

**बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन**

एक फायदा यह भी कि नए स्टेशन के साथ होगी एक और पार्किंग

## 4 किलोमीटर लंबे ट्रैक के 3 बड़े फायदे

कालिंदी कुंज से बॉटेनिकल गार्डन तक बनने वाले करीब चार किलोमीटर के ट्रैक का निर्माण होने के बाद बॉटेनिकल गार्डन से एमिटी नोएडा होते हुए कालिंदी कुंज, कालका जी मंदिर और हौजखास तीनों एक्सचेंज प्वाइंट तक जाया जा सकेगा।

1. कालिंदी कुंज से बदरपुर बार्डर और फरीदाबाद की मेट्रो मिलेगी।
2. कालका जी मंदिर से केंद्रीय सचिवालय तक जा सकते हैं।
3. जंक्शन हौजखास होगा, यहां से गुड़गांव हुड्डा सिटी के लिए मेट्रो बदल सकते हैं। वहीं हौजखास से ही जहांगीरपुरी की मेट्रो भी मिलेगी।

### क्या होता है स्टेंडर्ड गेज

**इंटरनेशनल** मानकों के तहत मेट्रो में स्टेंडर्ड गेज का प्रयोग किया जाता है। स्टेंडर्ड गेज में ट्रैक की चौड़ाई इंडियन रेलवे से काफी कम होती है। इंडियन रेलवे के ट्रैक की चौड़ाई जहां 1676 एमएम होती है, वहीं इंटरनेशनल मानक का स्टेंडर्ड गेज 1435 एमएम का होगा। ट्रैक की चौड़ाई कम होने से मेट्रो के डिब्बे भी चौड़ाई में कम हो जाते हैं।

### कथक में दिखाईं कृष्ण की लीलाएं

**नोएडा।** जयपुर घराने की कथक नृत्यांगना प्रेरणा श्रीमाली ने श्रीकृष्ण की लीलाओं को कथक के जरिए पेश करते हुए छात्रों का मन मोह लिया। सेक्टर-29 स्थित विश्वभारती स्कूल में स्पीक मैके की ओर से आयोजित विरासत-2011 के तहत उन्होंने यह कार्यक्रम पेश किया। अपने नृत्य के आरंभ में उन्होंने शिव स्तुति प्रस्तुति की। अपने कथक के दौरान वे छात्रों को भाव भंगिमाओं के महत्व और अर्थ को भी समझाती रही। छात्रों ने बड़ी तल्लीनता से उन्हें जाना। बिना गीत के कथक के माध्यम से श्रीकृष्ण लीला को प्रस्तुत छात्रों को अचंभित कर दिया। *ब्यूरो*

### बेगमपुर में यथा स्थिति बनाए रखने के आदेश

**नोएडा/इलाहाबाद।** हाईकोर्ट ने नोएडा के बेगमपुर गांव में अधिग्रहीत भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। पक्षकारों से जवाब दाखिल करने को कहा है। बेगमपुर में वर्ष 2007 में 108 हेक्टेयर भूमि उद्योग स्थापित करने के लिए अधिग्रहीत की गई थी। राजीव कुमार और अन्य की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया है कि सरकार ने भूमि का उपयोग बदलकर उसे आवासीय कर दिया है। याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता शिवाकांत मिश्र ने दलील दी कि सरकार ने उद्योग स्थापित करने के लिए अर्जेंसी क्लाज का उपयोग करते हुए भूमि का अधिग्रहण किया। किसानों की आपत्तियों को नहीं सुना गया। हाल ही में जमीन बिल्डरों को दे दी गई है जो वहां आवासीय परियोजना शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अशोक भूषण और भारती सप्रू ने अधिग्रहीत भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। *ब्यूरो*

### प्रिंट रेट से अधिक पैसा लेने पर मारपीट

**ग्रेटर नोएडा।** दादरी के मुख्य तिराहे पर मॉडल शॉप पर शराब की बोतल पर छपे रेट से ज्यादा पैसा मांगने से नाराज आधा दर्जन युवकों ने तीन सेल्समैन के साथ मारपीट की। तहरीर पर दादरी कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि बुधवार सवेरे कार से आए आधा दर्जन युवक शराब की बोतल खरीद रहे थे। सेल्समैन ने प्रिंट रेट से अधिक पैसे मांगे। जिस पर युवकों ने सेल्समैन गौरव, सुरेश और नितिन के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। मॉडल शॉप के मालिक ने केस दर्ज कराया है। *ब्यूरो*

### शिकायत करने गए परिजनों से मारपीट

**ग्रेटर नोएडा।** दनकौर के ऊंची दनकौर में रमेश के भतीजे सुरेंद्र को गांव के ही सुलतान और सलमान ने बाइक से टक्कर मार दी। जिसकी शिकायत करने गए पीड़ित के परिजनों की आरोपियों ने पिटाई कर दी। जिसमें अनिल, अमित और ओमप्रकाश घायल हो गए। उन्हें कैलाश अस्पताल में भरती कराया गया। पीड़ित परिवार की ओर से पांच के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नूर मोहम्मद, अलीम, आशू मोहम्मद, सुलतान और सलमान के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। *ब्यूरो*

स्टेप 1 उसी स्थान पर जुर्माना

स्टेप 2 उसी स्थान पर वाहन मालिक/चालक द्वारा फिल्म को हटाना

स्टेप 3 उसी स्थान पर इस फिल्म को हटाने में असमर्थ होने की स्थिति में सड़क विनियमन नियमावली 22(ए) के अंतर्गत संबंधित व्यक्ति को नोटिस दिया जायेगा तथा ड्राइविंग लाइसैन्स अथवा पंजीकरण के कागजात जब्त कर लिये जाएंगे

स्टेप 4 दोषी व्यक्ति को वह फिल्म हटानी होगी तथा वाहन के साथ 3 दिनों के भीतर नामित ट्रैफिक पुलिस सर्किल कार्यालय में ड्राइविंग लाइसैन्स अथवा पंजीकरण के कागजात प्राप्त करने के लिये उसे रिपोर्ट करना होगा

स्टेप 5 यदि दोषी व्यक्ति उस फिल्म को नहीं हटाता है अथवा 3 दिनों के भीतर ट्रैफिक पुलिसे सर्किल कार्यालय में रिपोर्ट नहीं करता है तो जब्त किये गये दस्तावेजों के साथ इस मामले को संबंधित न्यायालय में भेज दिया जायेगा

केन्द्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के नियम 100 के प्रावधानों के अनुसार मोटर वाहनों के आगे तथा पीछे के शीशों में कम से कम 70% दृश्यता होनी चाहिये तथा साइड की खिड़कियों पर लगे शीशों में कम से कम 50% दृश्यता होनी चाहिये।

दिल्ली पुलिस

24 घंटे यातायात हेल्पलाईन 011–25844444


नदी में डाला जाएगा क्लोरीनेशन युक्त पानी

# सीवर के पानी से अब साफ होगी यमुना

अमर उजाला ब्यूरो

**नोएडा।** ओखला बैराज से आगे साल भर में आठ माह सूखी रहने वाली यमुना सूखेगी नहीं, बल्कि हालत और सुधरेगी। शहर के नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से शोधित सीवर के पानी से ऐसा हो सकेगा। प्राधिकरण इस कार्य योजना पर काम कर रहा है। हिंडन को भी इसके दायरे में लाने की योजना है।

दरअसल, सीवर का पानी ट्रीट करने के लिए आधुनिक तकनीक (एसबीआर) पर आधारित सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से सीवर का पानी शोध करके यमुना में गिराया जाएगा। नदी में गिराने से पहले इसका क्लोरीनेशन भी होगा। इस पानी में बीओडी की मात्रा 10 मिलीग्राम प्रति लीटर से भी कम रहने का दावा प्राधिकरण पहले ही कर चुका है। अभी सिर्फ सेक्टर 54 व 50 का एसटीपी ही चालू है। इनसे रोजाना 69 एमएलडी पानी निकलता है। इस पानी की खपत ग्रीन बेल्ट की सिंचाई में हो जाती है। इसके बाद एसबीआर तकनीक पर ही दो और प्लांट सेक्टर 123 व 168 में बन रहे हैं। सेक्टर 123 के प्लांट की क्षमता 37 एमएलडी और सेक्टर 168 की क्षमता 50 एमएलडी रोजाना है। इस पानी का कोई उपयोग फिलहाल प्राधिकरण की नजर में नहीं आ रहा। इस पानी को ट्रीट कर यमुना में गिराया जाएगा। जिम्मेदार परियोजना अभियंता ने इसकी पुष्टि भी की है। यह पानी नदी के लिहाज से बहुत कम है, मगर सूखेगी नहीं। वहीं, सेक्टर 123 में बन रहे प्लांट से शोधित पानी को हिंडन में गिराने की योजना है। इससे हिंडन नदी की हालत सुधरेगी। प्रदूषण विभाग का भी तर्क है कि इस ट्रीटेड वाटर से नदी का पानी गंदा होने के बजाय साफ होगा। इसकी वजह यह है कि अभी नदी में बीओडी की मात्रा 30 से कहीं ज्यादा रहती है। जबकि शोधित पानी में बीओडी का स्तर 10 ग्राम से भी कम है। विभाग शोधित सीवर के पानी को नदी के लिए अभिशाप के बजाय वरदान बता रहा है।

- बीओडी की मात्रा कम होने से सुधरेगी हालत
- प्लांट से शोधित पानी को हिंडन में गिराने की योजना